हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, गुरुवार 5 नवंबर 2026

11 सीडीएलयू की जमीन बचाने को नागरिक परिषद छेड़ेगी जंग



12 फतेहाबाद में किसानों के पड़ाव का दूसरा दिन, विधायक समर्थन में



न खौफ-न डर : 'ग्रीन' की मोहर लगाकर धड़ल्ले से बिक रहे पटाखे

भोड़िया रोड पर होलसेल के हैं गोदाम, लाखों के प्रतिदिन बिक रहे पटाखे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिला प्रशासन के आदेशों के बावजूद जिला में प्रदूषण फैलाने वाले कानफोड़ू पटाखे जमकर बिक रहे हैं। भट्टू रोड पर भोड़ियाखेड़ा नहर के पास बने गोदामों पर होलसेल में पटाखे बेचे जा रहे हैं। इन पर हर समय भीड़ देखी जा सकती है। गोदाम मालिकों का कहना है कि वे केवल ग्रीन पटाखे बेच रहे हैं जबकि पटाखे वही हैं लेकिन इन पर अब मोहर ग्रीन की लगा दी गई है। इस बारे में जिला प्रशासन का कहना है कि पटाखों की बिक्री पर अधिकारियों की नजर है। नियमों की उल्लंघना करने वाले विक्रेताओं पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशों के आधार पर बढ़ते प्रदूषण को लेकर जिला प्रशास ने जनहित में फैसला लेते हुए सामान्य पटाखों पर प्रतिबंध लगा रखा है। केवल ग्रीन पटाखों की बिक्री की अनुमति है। विशेषज्ञों का मानना है कि पटाखे जलाने से प्रदूषण का स्तर पीएम 2.5 से पीएम 10 तक पहुंच जाता है तो बहुत खतरनाक स्थिति का होता है। जिला प्रशासन ने यहां केवल ग्रीन पटाखों को बेचने की अनुमति दी है लेकिन यहां के भट्टू रोड पर भोड़ियाखेड़ा नहर के पास पटाखों के थोक गोदाम खुले हुए हैं।





फतेहाबाद। पटाखा गोदाम में खरीदारी करते लोग तथा पटाखा गोदाम में सजे पटाखे।

पुलिस कर रही खानापूर्ति

पता चला है कि यह पटाखा विक्रेता सरकार द्वारा निर्धारित सभी शर्तों को भी पूरा नहीं कर रहे हैं। इनके पास मिट्टी-पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। दमकल विभाग की एनओसी तक इनके पास नहीं है। इसके बावजूद ये गोदाम शहरी सीमा के अंदर चल रहे हैं। पुलिस की जिप्सी यदा-कदा आती है और औपचारिकता पूरी करके चली जाती है।

सामान्य पटाखे खतरनाक

सामान्य पटाखे मानव जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। इनसे निकलने वाली दुर्गंध व धुंए के कारण सबसे ज्यादा पर्यावरण प्रदूषित होता है। आमतौर पर हम देखते हैं कि दीपावली के अगले दिन एयर क्वालिटी इंडक्स खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है। सरकार ग्रीन पटाखों के नाम पर केवल औपचारिकता पूरी कर रही है। सामान्य पटाखों पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करना चाहिए।

-सौरभ टुटेजा, पर्यावरणविद्

वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर पड़ता गंभीर असर

वायु प्रदूषण का बच्चों, बुजुर्गों तथा पहले से सांस और हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। पटाखों से निकलने वाले धातु कण, जहरीले रसायन और हानिकारक गैसें वायु गुणवत्ता को और खराब करती हैं। दीपावली तथा गुरुपर्व व अन्य त्योहारों पर ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति केवल रात 8 बजे से 10 बजे तक होगी। इसी प्रकार क्रिसमस की पूर्व संध्या और नववर्ष की पूर्व संध्या पर रात 11 बजकर 55 मिनट से 12 बजकर 30 मिनट तक ही ग्रीन पटाखे जलाए जा सकेंगे।

-डॉ. विवेक भारती, डीसी फतेहाबाद

अस्थमा और हृदय रोगियों को ज्यादा दिक्कत

पटाखों के कारण अस्थमा, सांस, हृदय व चर्म रोगियों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। इन दिनों वातावरण में स्मॉग फैलने व खतरनाक प्रदूषण होने के कारण इन लोगों को सांस लेने में दिक्कत होती है। हार्ट अटैक के मामले एकाएक मामले बढ़ जाते हैं। इसके अलावा पराली का मौसम भी इन्हीं दिनों होता है। चारों तरफ खुली ऑक्सीजन न मिलने से स्वस्थ आदमी का भी दम घुटने लगता है। ऐसे में आम लोगों को चाहिए कि इस प्रदूषण को देखते हुए एन95 मास्क का प्रयोग करें। अस्थमा व हार्ट के मरीज बेवजह घर से बाहर न निकले।

दीपावली पर कल से चार दिन बंद रहेगी फतेहाबाद अनाजमंडी

पीक सीजन में छुट्टियों से किसानों की बढ़ेगी परेशानी

- 6 से 9 नवंबर तक नहीं होगी धान की बोली, 10 नवंबर को खुलेगी मंडी; मंडियों में धान लेकर आ चुके किसानों के सामने घर लौटने की भी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

धान खरीद सीजन अपने चरम पर है। मंडियों में धान की आवक जारी है और सरकारी खरीद एजेंसियां भी खरीद के लिए तैयार हैं। ऐसे समय में दीपावली के त्योहार के चलते फतेहाबाद अनाजमंडी में लगातार चार दिन का अवकाश घोषित कर दिया गया है। 6 से 9 नवंबर तक मंडी में न तो फसल की बोली होगी और न ही नई फसल की खरीद की जाएगी। मंडी अब 10 नवंबर मंगलवार को खुलेगी। इस फैसले से उन किसानों की परेशानी बढ़ सकती है, जो धान लेकर मंडी पहुंचने की तैयारी में हैं या जिनकी फसल पहले से मंडी में बिकने के इंतजार में पड़ी है। व्यापार मंडल अनाजमंडी फतेहाबाद के प्रधान रमेश तनेजा ने बताया कि त्योहारों को देखते हुए 6 नवंबर शुक्रवार से 9 नवंबर सोमवार तक मंडी में पूर्ण अवकाश रहेगा। इस दौरान फसल की बोली नहीं होगी। उन्होंने कहा कि व्यापारी, किसान और मजदूर अपने परिवारों के साथ त्योहार मना सकें, इसी उद्देश्य से चार दिन की छुट्टी रखी गई है। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे अपने किसान भाइयों को अवकाश की जानकारी पहले ही दे दें।



फतेहाबाद अनाज मण्डी का मेन गेट।

मंडी में धान छोड़कर घर कैसे जाएं किसान

मंडी में जिन किसानों का धान पहले से बिक्री के इंतजार में पड़ा है, उनके सामने अलग समस्या है। फसल की बिक्री और आगे की प्रक्रिया पूरी हुए बिना वे घर लौटने में असमर्थ हो सकते हैं। ऐसे में कुछ किसानों को परिवार के साथ त्योहार मनाने के बजाय मंडी में ही रुकना पड़ सकता है। दूसरी ओर, जिन किसानों के खेतों में धान कटाई के बाद फसल तैयार है, उन्हें भी चार दिन तक मंडी खुलने का इंतजार करना पड़ेगा।

सरकारी खरीद जारी रखने की तैयारी, फिर मंडियों में क्यों चार दिन का अवकाश

इस बार सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि धान खरीद का सीजन अभी समाप्त नहीं हुआ है। मंडियों में बड़ी मात्रा में धान पहुंच रहा है। ऐसे में चार दिन तक बोली बंद रहने से खरीद और उठान की व्यवस्था पर भी असर पड़ने की आशंका है। सरकारी कार्यालयों में शनिवार, रविवार और सोमवार को अवकाश रहेगा, जबकि सत्र न्यायालय में रविवार और सोमवार को छुट्टी है। शनिवार को छोटी दीपावली, रविवार को दीपावली और सोमवार को गोवर्धन पूजा का पर्व है। लेकिन अनाजमंडी में शुक्रवार सहित चार दिन का अवकाश घोषित किया गया है।

मौसम बदला तो कौन होगा जिम्मेदार

किसानों के लिए यह समय केवल धान बेचने का ही नहीं, बल्कि अगली फसल की तैयारी का भी है। गेहूं और सरसों की बिजाई का समय चल रहा है। धान की बिक्री में देरी होने से किसानों के खेत खाली करने और अगली फसल की बिजाई के कार्यक्रम पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा यदि अवकाश के दौरान मौसम में बदलाव होता है या बारिश की स्थिति बनती है तो मंडियों में खुले में पड़ी फसल की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े होंगे। ऐसे में सवाल है कि जब खरीद सीजन चरम पर है और एजेंसियां खरीद के लिए तैयार हैं, तो क्या मंडियों में अवकाश की अवधि कम नहीं की जा सकती थी। त्योहार मनाने के साथ किसानों की फसल और उनकी समयबद्ध बिजाई का ध्यान रखना भी जरूरी है।

चार नशा तस्करों की संपत्ति फ्रीज

सिरसा। जिला पुलिस ने चार तस्करों की लाखों रुपए की संपत्ति फ्रीज की है। पुलिस की ओर से फ्रीज करवाई गई संपत्ति में एक ट्रक और दो कारें व बाइक शामिल हैं। एसपी दीपक सहारण ने बुधवार को बताया कि जिला के तलवाड़ा खुर्द निवासी मनदीप सिंह के खिलाफ ऐलनाबाद थाना में दो क्विंटल से अधिक चूरापोस्त बरामदगी का मामला दर्ज हुआ था। वहीं गांव बणी के निवासी कर्मजीत सिंह के खिलाफ रानियां और ऐलनाबाद थाना में नशा तस्करी के पांच मामले दर्ज हैं। इसके अलावा गांव चौटाला निवासी भूपेंद्र सिंह के खिलाफ भी ऐलनाबाद थाना में नशा तस्करी के पांच मामले दर्ज हैं जबकि शहर सिरसा निवासी ओमप्रकाश के खिलाफ थाना शहर सिरसा में नशा तस्करी के तीन मामले दर्ज होने पाए गए हैं। चारों आरोपी पेशेवर नशा तस्कर है, जो युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक इन आरोपियों की संपत्ति का ब्यौरा जुटाकर नियमानुसार फ्रीज करने की कार्रवाई की गई है। नशीले पदार्थों की तस्करी से संपत्ति अर्जित करने के आरोपों को लेकर पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया अपनाई है। एसपी ने बताया कि संपत्ति का पूरा रिकॉर्ड जुटाकर सक्षम प्राधिकारी एवं राजस्व विभाग, दिल्ली को भेजा गया था। इसके बाद एनडीपीएस अधिनियम के तहत संबंधित संपत्तियों को फ्रीज करने के आदेश जारी हुए हैं। संबंधित विभागों को नोटिस भी भेजे गए हैं।

- दो क्विंटल से अधिक चूरापोस्त हुआ था बरामद

भूना में 168 किलो पटाखों सहित एक आरोपी काबू

भूना। दीपावली से पहले पटाखों के अवैध भंडारण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) फतेहाबाद की टीम ने भूना में एक व्यक्ति को 168 किलोग्राम पटाखों सहित काबू किया है। आरोपी की पहचान वार्ड नंबर-1 निवासी प्रवीण के रूप में हुई है। एएनसी प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल के अनुसार, एएसआई भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई कर आरोपी के कब्जे से पटाखे बरामद किए। मामले में थाना भूना में विस्फोटक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने पटाखों का भंडारण और बिक्री करने वालों से निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है। बिना आवश्यक अनुमति पटाखों का भंडारण या बिक्री करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीवरेज के खुले होल बने किसानों के लिए मुसीबत

- किसान की ट्राली पलटी, धान सड़क पर बिखरा, आढ़तियों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ रानियां

अनाज मंडी में सीवरेज का खुला मेनहोल किसानों और मंडी में आने वाले वाहनों के लिए हादसों को न्योता दे रहा है। बुधवार को मेनहोल में ट्रैक्टर-ट्राली का टायर फंसने से धान से भरी ट्राली पलट गई। ट्राली में लदा धान सड़क पर बिखर गया, जबकि कुछ धान खुले मेनहोल में भी जा गिरा। गनीमत रही कि हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, अन्यथा मंडी में बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद मंडी के आढ़तियों ने गहरा रोष जताते हुए मार्केट कमेटी प्रशासन से व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करवाने की मांग की। जानकारी के अनुसार गांव महमदपुरिया निवासी किसान कृष्ण दुसाद पुत्र निक्कु राम ट्रैक्टर-ट्राली में धान लेकर मंडी की थाकन ट्रेडिंग कंपनी पर आ रहा था। मंडी के बीचों-बीच पहुंचने पर ट्राली का टायर सीवरेज के खुले मेनहोल में फंस गया, जिससे धान से भरी ट्राली पलट गई। अचानक हुए हादसे से किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। सिरसा मिल्क प्लांट के पूर्व चेयरमैन दलीप थाकन और अन्य आढ़तियों का कहना है कि सीजन शुरू होने से पहले ही संबंधित विभाग को सीवरेज के मेनहोल दुरुस्त करवाने और सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए बार-बार अवगत करवाया गया था, लेकिन समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।



सिरसा। रानियां अनाज मंडी में सीवरेज के मेनहोल का ढक्कन टूटने से पलटी धान से भरी ट्राली और सड़क पर बिखरा धान। फोटो : हरिभूमि

सूचना मिलते ही ढक्कन बदलने के निर्देश

मार्केट कमेटी के कनिष्ठ अभियंता जसाराम ने बताया कि संबंधित मेनहोल सड़क पर नहीं, बल्कि बीच के कच्चे हिस्से में बना हुआ था और उस पर ढक्कन लगा था। ट्रैक्टर-ट्राली का टायर मेनहोल के ऊपर आने और अधिक वजन पडने से ढक्कन टूटकर अंदर गिर गया होगा। सूचना मिलते ही कर्मचारियों को नया ढक्कन लगाने के निर्देश दे दिए गए हैं।

घर के बाहर अंधाधुंध फायरिंग से दहशत फैलाने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। गांव समैण में आपसी रंजिश और विवाद के चलते एक घर के बाहर पहुंचकर ताबड़तोड़ फायरिंग करने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में थाना सदर टोहाना पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अमित उर्फ मीतू पुत्र नानूराम निवासी गांव समैण के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक साधुराम ने बताया कि गांव समैण निवासी सोनू ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी कि गत एक नवंबर की रात को आरोपी अमित उर्फ मीतू उनके कार्यालय में पहुंचा और उसके पार्टनर दीपक व दोस्त मनदीप के साथ अकारण गाली-गलौज करने लगा। इस बात की सूचना मिलने पर जब सोनू अपने भाई संसार के साथ कार्यालय पहुंचा, तो आरोपी ने उनके साथ भी हाथापाई की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के अनुसार, मामला यहीं शांत नहीं हुआ। उसी रात करीब 12 बजे आरोपी अमित अपने अन्य साथियों के साथ स्कॉर्पियो और स्विफ्ट कारों में सवार होकर सीधे सोनू के घर के बाहर आ धमका।

एक साल बाद भी विधवा सुनीता को न्याय का इंतजार

सिरसा। परिवार पहचान पत्र में बिना आवेदन और सहमति पांच अतिरिक्त व्यक्तियों के नाम जोड़े जाने का मामला लगातार लंबा खिंचता जा रहा है। वार्ड नंबर 19 निवासी विधवा सुनीता रानी पिछले करीब एक वर्ष से इस समस्या के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन अभी तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है। सुनीता रानी का आरोप है कि उनके परिवार पहचान पत्र में पांच ऐसे व्यक्तियों के नाम जोड़ दिए गए, जिन्हें शामिल करने के लिए उन्होंने न तो कोई आवेदन किया और न ही अपनी सहमति दी। इन अतिरिक्त नामों के कारण परिवार की आय और अन्य विवरण प्रभावित हुए, जिससे उनके बीपीएल राशन कार्ड तथा अन्य पात्र सरकारी योजनाओं के लाभ पर भी असर पड़ा। पीड़िता के अनुसार, उन्होंने इस मामले में सीएम विंडो, समाधान शिविर और अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में लिखित शिकायतें दी हैं।

- पीपीपी में बिना सहमति पांच अतिरिक्त नाम जोड़ने का मामला

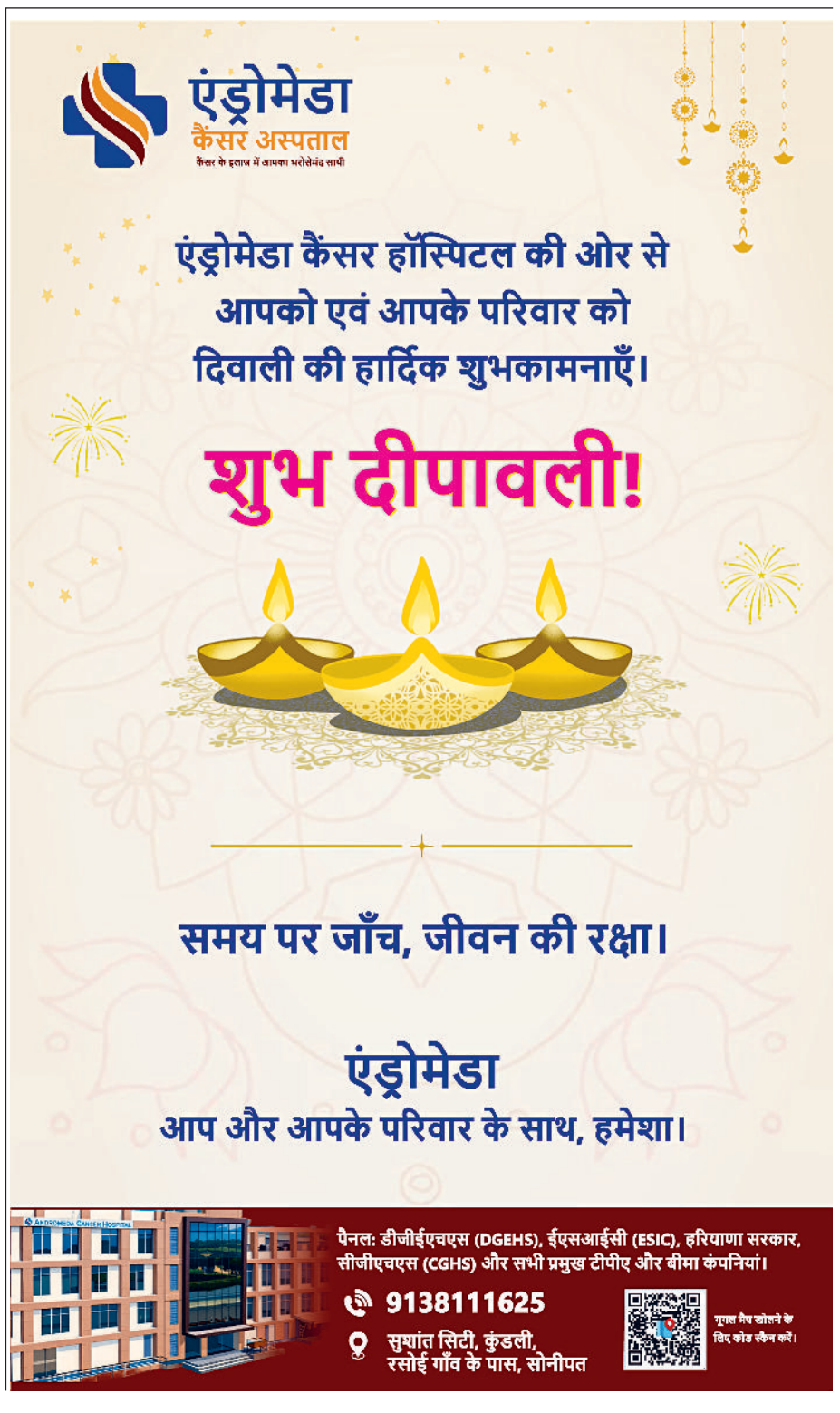

कार्रवाई दूध और देसी घी के सैंपल एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे

फतेहाबाद में दूध डेयरियों पर खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, 7 प्रतिष्ठानों के सैंपल फेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

आगामी त्योहारों के मद्देनजर आमजन को शुद्ध व सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा मिलावटखोरों पर नकेल कसने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग और सीएम फ्लाइंग की संयुक्त टीम ने फतेहाबाद के रतिया चुंगी स्थित तरसेम दूध डेयरी पर अचानक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से दूध और देसी घी के सैंपल एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। यह पूरी कार्रवाई हिसार, सिरसा व फतेहाबाद के डेजिग्नेटेड कम नोडल अधिकारी गौरव छाबड़ा तथा फतेहाबाद के फूड सेफ्टी अधिकारी रवि राठी के संयुक्त नेतृत्व में अंजाम दी गई। टीम की इस अचानक छापेमारी से शहर के डेयरी संचालकों, मिष्ठान विक्रेताओं और खाद्य कारोबारियों में हडक़ंप का माहौल बना रहा। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा फेस्टिवल सीजन के दौरान जिलेभर में चलाए जा रहे विशेष सैंपलिंग अभियान के तहत अब तक कुल 61 खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए थे। विभागीय जानकारी के अनुसार, इनमें से 19 सैंपलों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। जांच में जहां 12 सैंपल मानकों पर खरे पाए गए हैं, वहीं 7 प्रमुख प्रतिष्ठानों के खाद्य सैंपल तय मानकों पर खरे न उतरते हुए सब-स्टैंडर्ड पाए गए हैं।





फतेहाबाद। दूध डेयरी से खाद्य पदार्थ के सैम्पल लेती खाद्य विभाग की टीम। फोटो : हरिभूमि

2 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस व 2 के रजिस्ट्रेशन सस्पेंड

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करने, अमानक सामग्री बेचने तथा स्वच्छता मानकों की अनदेखी पाए जाने पर विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। टोहाना स्थित बराड़ स्वीट्स और भट्टू मंडी स्थित श्री बाला जी रसगुल्ला भंडार के खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिए गए हैं। इसके साथ ही नियमों की अवहेलना पर गर्ग किराना स्टोर, टोहाना तथा फतेहाबाद कोर्ट परिसर स्थित तारा चंद कैंटीन का खाद्य रजिस्ट्रेशन भी सस्पेंड कर दिया गया है।

जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : छाबड़ा

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते हुए डेजिग्नेटेड कम नोडल अधिकारी गौरव छाबड़ा ने सख्त लहजे में कहा कि त्योहारी सीजन में आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मिलावटी, नकली या निम्न स्तर की खाद्य सामग्री बेचने वाले कारोबारियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह औचक छापेमारी और सख्त कानूनी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

उपभोक्ता ₹100 में करवा सकते हैं पदार्थों की जांच

खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांचने और आमजन को जागरूक करने के लिए विभाग द्वारा विशेष कदम उठाए गए हैं। नोडल अधिकारी ने बताया कि फतेहाबाद, भिवानी, हिसार, सिरसा और चरखी दादरी में एक-एक मोबाइल सैंपल टेस्ट वैन तैनात की गई है। कोई भी उपभोक्ता अपने स्तर पर किसी भी खाद्य पदार्थ की शुद्धता जांचने के लिए इस वैन में संपर्क कर सकता है। इसके लिए विभाग द्वारा मात्र 100 की न्यूनतम फीस तय की गई है।

स्पेशलः दीपावली, 8 नवंबर

दीपावली रोशनी, खुशी का त्योहार है, लेकिन यही समय सेहत के लिए सबसे ज्यादा चुनौतियों भरा भी होता है। कभी-कभी जरा-सी असावधानी खुशियों के इस त्योहार के रंग में भंग भी डाल देती है। वो चाहे आतिशबाजी चलाते हुए असावधानी बरतने की हो या फिर तला-भुना खाना, मिठाइयों के ज्यादा सेवन से संबंधित हो। इनका असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। आप हेल्दी-सेफ दीपावली मनाएं, इसके लिए एक्सपर्ट डॉक्टर्स के बहुत यूजफुल सजेशंस।

ऐसे मनाएं हेल्दी-सेफ दीपावली



डॉक्टर्स एडवाइस
रजनी अरोड़ा

दीवाली पर चलाए जाने वाले पटाखों में कई तरह के प्रदूषक तत्वों का इस्तेमाल किया जाता है। स्ट्रोंशियम, क्रोमियम, कैडमियम, बेरियम, तांबा, सोडियम, क्लोरीनयुक्त पोटेशियम क्लोरेट पावडर, आर्सेनिक सल्फाइड, एल्यूमीनियम, कॉपर, निकिल जैसे तत्वों की वजह से पटाखे जलाने पर इनमें काफी तेजी से विस्फोट होता है, वहीं नाइट्रोजन, कार्बन मोनो ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें और छोटे-छोटे पार्टिकल्स या कण भी रिलीज होते हैं। जो हवा में घुल-मिलकर वातावरण को प्रदूषित करते हैं और हमारे नाक-मुंह के जरिए शरीर में पहुंचकर हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। इनसे बचाव करना सामान्य लोगों और रोगियों के लिए बहुत जरूरी हो जाता है।

अस्थमा पेशेंट्स के लिए खतरा

आतिशबाजी से निकलने वाले पार्टिकल्स और जहरीली गैसें नाक या मुंह के जरिए श्वसन नली में पहुंचकर उसमें सिकुड़न पैदा करते हैं। इससे डस्ट-एलर्जिक, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा के मरीज को सांस लेने में काफी दिक्कत होती है। अस्थमा का अटैक भी पड़ सकता है।

बचाव के उपायः इससे बचाव के लिए रखें ध्यान रखें-

- पटाखों के धुएं, बारूद की गंध और पटाखों से पैदा होने वाली धुंध भरी जगहों से दूर रहें।
- प्रदूषण ज्यादा हो, खासकर शाम और रात के समय, तो घर के अंदर रहें। ध्यान रखें कि घर के अंदर अगरबत्ती, धूप, कपूर और ज्यादा धुएं वाले दीये कम से कम जलें।
- खिड़की-दरवाजे बंद रखें और एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें।
- एन-95 फेस मास्क पहन कर ही बाहर निकलें।
- रेस्क्यू इनहेलर हमेशा अपने पास रखें और जरूरत पर यूज करने में देरी न करें।
- यथासंभव ग्रीन दीवाली सेलिब्रेट करें। पटाखे खुद न जलाएं और जलते पटाखों के पास खड़े न हों।
- त्योहार से पहले अपने डॉक्टर से मिलकर दवाओं की जांच करवा लें और जरूरत हो तो दवाएं बढ़वा लें।
- ऑयली फूड के बजाय संतुलित और पौषक भोजन लें। बहुत तला, मसालेदार और भारी खाना एसिडिटी बढ़ा सकता है, जो अस्थमा को बिगाड़ सकता है।
- मिठाइयां, मेवे या जिन चीज से एलर्जी है, अवॉयड करें। यथासंभव गुनगुना पानी पिएं।
- सांस लेने में परेशानी हो या इनहेलर लेने के बाद भी आराम न मिले, घबराहट या बेहोशी जैसा महसूस हो, तो डॉक्टर से संपर्क करें।

हार्ट पेशेंट्स रहें सावधान

धुएं के प्रदूषण से अरिद्मिया यानी हार्ट बीट में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। पटाखों के तेज धमाके दिल पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं, घबराहट हो सकती है,



हाइपरटेंशन बढ़ जाता है और हार्ट फेल्योर या कार्डिएक हार्ट अटैक का खतरा रहता है।

बचाव के उपायः हार्ट पेशेंट्स इन बातों का ध्यान रखें।

- शोर और धुएं वाली जगह से दूर रहें।
- घर के अंदर रहें। पटाखों के धमाके से बचने के लिए ईयर-प्लग लगाएं या हेडफोन लगाकर अपने मोबाइल पर गाने और पसंदीदा प्रोग्राम देखें।
- खान-पान का ध्यान रखें। फल, सलाद, हरी सब्जियां और साबुत अनाज ज्यादा लें। तली हुई चीजें घी, तेल, ज्यादा नमक, मसालेदार पकवान सीमित मात्रा में लें, इनसे कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है।

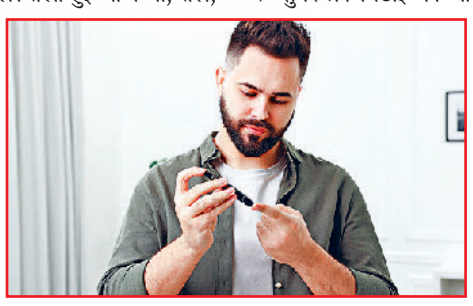

- खूब पानी पिएं। चाय-कॉफी, शराब और धूम्रपान से बचें।
- दवाइयां समय पर लें। डॉक्टर ने सॉर्बिट्रेट (जीभ के नीचे रखने वाली गोली) बताई हो, तो उसे हमेशा अपने पास रखें और एक्सपायरी डेट जांच लें।
- सीने में दबाव या भारीपन, दर्द जो बांह, जबड़े या पीठ तक जाए, अचानक पसीना, घबराहट, सांस फूलना या चक्कर जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

डायबिटीज के मरीज बरतें सावधानियां

डॉक्टरों की मानें, तो फेस्टिव सीजन टाइप-2 मधुमेह के मरीजों के लिए बहुत तकलीफदेय होता है। क्योंकि वे चाहते हुए भी खुद को रोक नहीं पाते और ब्लड शुगर बढ़ने जैसी समस्याओं की गिरफ्त में आ जाते हैं। बाजार में मिलने वाली मिठाइयों में चीनी और तेल का उपयोग बड़ी मात्रा में होता है। बाजार की मिठाइयों में मौजूद उच्च स्तर की शर्करा से मधुमेह के मरीजों पर खासा असर देखा जा सकता है।

बचाव के उपायः डायबिटीज पेशेंट्स ये सावधानी बरतें।

- कोई मील स्किप न करें। नियमित गैप पर भोजन करें।
- पौष्टिक और संतुलित आहार लें। फल, सलाद, हरी सब्जियां और साबुत अनाज ज्यादा लें। तला हुआ और बहुत तेल वाला खाना कम खाएं।
- मिठाई खाली पेट न खाएं। उसे भोजन के साथ या भोजन के बाद लें। मिठाई बहुत कम मात्रा में लें, जैसे एक छोटा टुकड़ा, और उसे धीरे-धीरे खाएं।
- शुगर-फ्री मिठाई को भी खुली छूट न समझें, क्योंकि उनमें मेवे, घी और खोया होता है, जिनसे कैलोरी और शुगर बढ़ सकती है।
  - घर पर कम चीनी या बिना चीनी की मिठाई बनाने का विकल्प अपनाएं।
  - चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और मीठे पेय से बचें।
  - एल्कोहल से परहेज करें।
  - खाने के बाद 10-15 मिनट की हल्की सैर करें। इससे शुगर नियंत्रित रहेगी।
- ब्लड शुगर की जांच करवाते रहें। अपनी दवाएं या इंसुलिन रोज समय पर लें। कोई खुराक न छोड़ें।
- खाना देर से या बहुत कम खाने पर, खासकर इंसुलिन या कुछ दवाओं के साथ, शुगर कम (हाइपो) हो सकती है। कंपकंपी, पसीना, घबराहट या चक्कर आए तो तुरंत जांच करें और थोड़ा ग्लूकोज या चीनी लें। इसलिए पास में ग्लूकोज की गोलियां रखें।
- पटाखों के धुएं और प्रदूषण से बचें। घर में रहें और बाहर जाने पर मास्क पहनें।
- यथासंभव पटाखों से दूर रहें। पैरों का ख्याल रखें। चप्पल या जूते पहनकर पटाखों के पास जाएं। जलने या कटने से बचें, क्योंकि डायबिटीज में घाव देर से भरते हैं। छोटी जलन या चोट को भी हल्के में न लें और जल्दी से जल्दी डॉक्टर को दिखाएं।



स्किन बर्निंग से रहें सावधान

दीवाली पर आतिशबाजी चलाते समय लापरवाही होने पर कई तरह की अनहोनी भी हो जाती हैं। आंकड़े के मुताबिक पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं में जलने के मामले ज्यादा होते हैं, जिनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या अधिक होती है। दवा या प्राथमिक उपचार शुरू करने से पहले चोट का दायरा देखना बेहतर है।

सॉफ्ट-टिशू बर्नः यह फुलझड़ी, चरखी, अनार, हंटर जैसी आतिशबाजी की चिंगारी से होता है। इसमें स्किन की ऊपरी एपिडर्मिस लेयर ज्यादा जलती है। अगर त्वचा पर छाले नहीं पड़े हैं और जला हुआ हिस्सा 4-5 सेमी से ज्यादा नहीं है, तो घर पर इलाज किया जा सकता है। सॉफ्ट-टिशू बर्न में जले हुए हिस्से पर बर्फ न लगाकर, 5-10 मिनट तक बहते नल के पानी के नीचे रखें। जलन कम होती है और त्वचा से गर्मी निकल जाती है, जिससे आगे नुकसान नहीं होता। छालों को न फोड़ें, क्योंकि वे घाव को ढंककर संक्रमण से बचाते हैं। अगर छाले फूट जाएं, तो उस जगह को हल्के साबुन और पानी से धोएं, फिर एंटीबायोटिक मरहम लगाएं और गॉज (जालीदार पट्टी) बांध दें। सिल्वर सल्फाडायजिन वाली एंटीसेप्टिक क्रीम भी इस्तेमाल की जा सकती है। अगर जलन ज्यादा हो तो डॉक्टर से संपर्क करें।

डीप बर्नः लापरवाही से या दूसरे कारणों से पटाखे चलाते हुए अचानक से फट भी जाते हैं और डीप बर्न हो सकता है। इसमें स्किन की निचली लेयर मेंब्रेन और डर्मिस भी जल सकती है। प्रभावित व्यक्ति को यथाशीघ्र डॉक्टर के पास ले जाएं। प्राथमिक उपचार के तौर पर उसके घावों पर एलोवेरा जैल लगाया जा सकता है।

आंखों का ध्यान रखना है जरूरी

आतिशबाजी के धुएं और जहरीली गैसों का असर आंखों पर भी पड़ता है। असावधानी बरतने पर कई बार आंखों में पटाखे के प्रदूषक तत्व या चिंगारी पड़ जाती है। इससे उनमें जलन, लाल होना, पानी आना, चुभन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अगर आंखों को मसल दिया जाए तो रेटीना, कार्निया जैसे इंटरनल पार्ट्स में इंफेक्शन हो सकता है।

बचाव के उपायः आंखों की सुरक्षा के लिए ये उपाय अपनाएं। पटाखे जलाते समय सेफ्टी चश्मा या गॉगल्स पहनें। पटाखे दूर से चलाएं। पटाखा जलाकर तुरंत दूर हट जाएं। चेहरा या आंखें उसके ऊपर न झुकाएं। जो पटाखा न जले, उसे पास जाकर न देखें। दर्शक भी सुरक्षित दूरी पर रहें, क्योंकि आंख की चोट अकसर आस-पास खड़े लोगों को भी लगती है। अगर चिंगारी, बारूद या धुआं आंख में चला जाए, तो आंख को बिल्कुल न मलें। इससे कण आंख की सतह को खरोंच सकते हैं। तेज दर्द, धुंधला दिखना, रोशनी न सहना, लगातार लाली या पानी आना, आंख न खुल पाना या खून दिखने जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत नेत्र चिकित्सक के पाय या अस्पताल की इमरजेंसी में जाएं। धुएं से हल्की जलन हो, तो साफ पानी से धोने के बाद आराम मिल सकता है। हाथ साफ धोकर आंख को साफ बहते पानी से 5-10 मिनट तक धोएं। सिर को टेढ़ा करके पानी का धार प्रभावित आंख पर नाक की तरफ से बाहर की ओर बहने दें। पलकें खुली रखने की कोशिश करें। आंख में कुछ धंसा हुआ दिखे तो उसे निकालने की कोशिश न करें। आंख पर दबाव न डालें। आई ड्रॉप, सुरमा, काजल, दूध, शहद या कोई घरेलू चीज न डालें। तकलीफ बनी रहे तो आइज स्पेशलिस्ट को जरूर दिखाएं।

डाइजेशन का रखें ध्यान

दीवाली के अवसर पर कई तरह के पकवान घरों में बनाए जाते हैं। बैलेंस डाइट फॉलो करने वाले फिगर और हेल्थ कॉन्शस लोग भी अकसर अपने हेल्थ-गोल कुछ टाइम के लिए भूल जाते हैं। घर पर बने व्यंजनों की ओवरईटिंग और बाजार में मिलने वाली मिलावटी मिठाई खाने की वजह से कई बार गैस, एसिडिटी, कब्ज और दस्त जैसी पेट संबंधी बीमारियों से दो-चार होना पड़ता है।

बचाव के उपायः डाइजेशन प्रॉब्लम्स से बचने के लिए खानपान पर ध्यान देना जरूरी है।

- पटाखे जलाने पर केमिकल पार्टिकल्स आपके हाथ-पैरों में लगा रह सकता है। जरूरी है कि आतिशबाजी चलाने के बाद अपना चेहरा, हाथ-पैर जरूर धोएं और कुल्ला करें। इसके बाद ही कुछ खाएं-पिएं। ऐसा न करने से गैस्ट्राइंटेराइटिस जैसी पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। दस्त, उल्टियां या डिहाइड्रेशन हो सकता है।
- पौष्टिक और संतुलित आहार लें। नाश्ता जरूर करें। *

(सीनियर फिजिशियन डॉ. नरेश कुमार, सीनियर डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. विक्रम सूद, सीनियर ऑफ्थेलमोलॉजिस्ट डॉ. नीलम अत्री, सीनियर न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. शालिनी सिंघल से बातचीत पर आधारित)

ऐसे बचें दुर्घटनाओं से

कुछ सावधानियां बरतकर दुर्घटनाओं को टाल सकते हैं-

- लाइसेंस वाले दुकानों से आईएसआई मार्क्ड पटाखे खरीदें।
- पटाखे जलाते समय वयस्क की निगरानी जरूरी है। बच्चों को अकेला न छोड़ें। जहां बच्चे पटाखे जला रहे हों, वहां कम से कम एक वयस्क जरूर मौजूद रहे।
- पटाखे चलाने के लिए खुले एरिया में समतल सतह का चुनाव करें। आसपास सूखी घास, कागज, सूखे पत्ते, बिजली के तार, ट्रांसफॉर्मर जैसी ज्वलनशील वस्तुएं न हों।
- पटाखे चलाने से पहले लेबल पर उसे चलाने की विधि जरूर पढ़ लें। ठीक ढंग से पटाखे न चलाने पर नुकसान हो सकता है।
- चिंगारी से बचने के लिए सुरक्षा चश्मा पहनें, पूरी बाजू के सूती, मोटे और फिटिंग वाले वस्त्र पहनें। पैरों में जूते पहनें।



- पटाखे जलाने की जगह के पास पानी से भरी बाल्टी और पर्याप्त मात्रा में रेत रखें।
- हाथ में पकड़कर बम या रॉकेट न चलाएं। पटाखे माचिस या लाइटर के बजाय पटाखे मोमबत्ती, फुलझड़ी, हंटर जैसे से चलाएं ताकि पर्याप्त दूरी बनी रहे।

हेल्थ सजेशन

बीपी की दवा छोड़ने से बढ़ सकता है हार्ट अटैक का खतरा



आज के दौर में तेजी से बदलती जीवनशैली के कारण लोगों में ब्लड प्रेशर यानी बीपी की बीमारी आम होती जा रही है, जिससे बीपी की दवा रेग्युलर खानी पड़ती है। बीपी की दवा खाने वाले लोग थोड़ा आराम होने पर बीपी की दवा का सेवन कम कर देते हैं या बंद कर देते हैं। बिना डॉक्टर की सलाह के ऐसा करना मरीज के लिए हानिकारक हो सकता है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल होने के बाद बीपी की दवाएं कब और कैसे छोड़नी चाहिए, इस पर डॉक्टरों की सलाह लेना जरूरी है। दवा छोड़ने से हार्ट पर असर पड़ सकता है। इस बारे में सर गंगाराम हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट **डॉक्टर रजत मोहन** कहते हैं कि आज के समय में हाई ब्लड प्रेशर एक आम समस्या बनती जा रही है। कम उम्र के लोगों को भी हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत हो रही है। हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए डॉक्टर दवाएं शुरू करते हैं। दवाओं से आराम लगने के बाद कुछ लोग बिना डॉक्टर से सलाह लिए दवाओं को खाना छोड़ देते हैं। ऐसा करने से स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न हो सकता है। बिना डॉक्टर की सलाह लिए बीपी की दवाएं बंद कर देने से हार्ट अटैक आने का जोखिम बढ़ सकता है। बीपी अगर लंबे समय से बढ़ता आ रहा है, तो इसका असर दिल पर पड़ता है। इसी वजह से बीपी कंट्रोल करने के लिए दवाएं शुरू की जाती हैं। हालांकि ये दवाएं तब शुरू की जाती हैं, जब बीपी लगातार बढ़ता रहता है और लाइफस्टाइल और खान-पान में बदलाव करके भी यह ठीक नहीं होता है। बीपी की दवा शुरू करनी है या नहीं, इसका फैसला डॉक्टर करते हैं। सिर्फ एक बार बीपी ज्यादा आने पर खुद से दवा शुरू भी नहीं करनी चाहिए।

डॉक्टर आमतौर पर कुछ समय तक बीपी की रीडिंग देखने की सलाह दे सकते हैं। अलग-अलग दिनों में कई बार बीपी बढ़ा हुआ मिल रहा है तो डॉक्टर दवा शुरू करने की सलाह दे सकते हैं। अगर डॉक्टर ने बीपी की दवा शुरू कर दी है तो मरीज को दवा अपनी मर्जी से बंद नहीं करनी चाहिए। बीपी की दवा बीच में छोड़ने और बीपी लगातार बढ़े रहने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है और कई बार हार्ट अटैक आने का भी रिस्क हो सकता है। *

प्रस्तुतिः अजेश कुमार

फिटनेस
शिखर चंद जैन

आज के दौर में हर उम्र के लोग स्मार्टफोन एडिक्शन के शिकार हो रहे हैं। इसे गलत तरीके से यूज करने से ज्वाइंट्स संबंधी कई प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इनसे बचने के लिए आपको कुछ सावधानी बरतनी चाहिए।

ज्वाइंट्स के लिए हार्मफुल स्मार्टफोन का गलत इस्तेमाल

दिन-रात हाथ में रहने वाला स्मार्टफोन हमारी जिंदगी आसान जरूर कर रहा है, लेकिन कई बार इसकी कीमत हमारी गर्दन, कंधे, कलाई और रीढ़ को चुकानी पड़ती है। लगातार नीचे झुककर स्क्रीन देखने, एक ही अंगूठे से फोन पर घंटों टाइप करने और लंबे समय तक बैठे रहने की आदत अब मस्कुलोस्केलेटल यानी मांसपेशी-जोड़-हड्डी संबंधी समस्याओं को बढ़ा रही है।

टेक्स्ट नेकः सबसे कॉमन समस्या 'टेक्स्ट नेक' की है। स्मार्टफोन देखते समय गर्दन आगे और नीचे झुकी रहती है। इससे गर्दन और ऊपरी पीठ की मांसपेशियों को लंबे समय तक अतिरिक्त काम करना पड़ता है। 2025 में प्रकाशित एक रिव्यू में 10,715 प्रतिभागियों से जुड़े सात अध्ययनों को शामिल किया गया। इसमें स्मार्टफोन का अत्यधिक इस्तेमाल करने वालों में गर्दन के दर्द का जोखिम कम इस्तेमाल करने वालों की तुलना में 2.34 गुना अधिक पाया गया। लेकिन दुष्प्रभाव केवल गर्दन तक सीमित नहीं है। 2,000 विश्वविद्यालय छात्रों पर हुए एक अध्ययन में 44.05 प्रतिशत प्रतिभागियों ने मस्कुलोस्केलेटल दर्द की शिकायत की। गर्दन में दर्द 34.2 प्रतिशत, अंगूठे में 17.45 प्रतिशत, कमर में 16.7 प्रतिशत और कोहनी में 16.6 प्रतिशत समस्या पाई गई।



अंगूठे-कलाई पर दुष्प्रभावः लगातार टाइपिंग, स्क्रॉलिंग और गेमिंग से अंगूठे और कलाई के टेंडन पर दोहराव वाला तनाव पड़ सकता है। 387 मेडिकल छात्रों पर किए गए एक अध्ययन में 66.4 प्रतिशत प्रतिभागियों को स्मार्टफोन-एडिक्शन समूह में रखा गया और 19.1 प्रतिशत में फिंकेलस्टीन टेस्ट सकारात्मक था, जो डिक्वेर्वेन टेनोसिनोवाइटिस जैसी समस्या की ओर संकेत कर सकता है। अत्यधिक और वजनी स्मार्टफोन उपयोग और हाथ के दर्द के बीच भी महत्वपूर्ण संबंध पाया गया। मध्य भारत में 137 लोगों पर किए गए अध्ययन में स्मार्टफोन इस्तेमाल के अलग-अलग तरीकों के साथ अंगूठे के कुछ जोड़ों की गति में बदलाव और मांसपेशीय थकान देखी गई।

बढ़ रहे हैं पेशेंटः कोलकाता के बेल व्यू हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक सर्जन **डॉ. राजेश मोर** के अनुसार, 'लगातार सेलफोन का गलत तरीके से इस्तेमाल कई तरह की ज्वाइंट प्रॉब्लम पैदा कर सकता है। स्मार्टफोन से जुड़े मामलों में 'स्मार्टफोन पिंकी', 'टेक्सटिंग थंब', 'स्मार्टफोन एल्बो' और 'टेक्स्ट नेक' जैसी समस्याएं देखी जा सकती हैं।' कोलंबिया के प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जन डॉ. एडुआर्डो सी. ब्यूचैम्प कहते हैं कि उनके पास ऐसे अधिक मरीज आ रहे हैं जिनकी समस्या गर्दन के दर्द से शुरू होकर बांह के दर्द या कमजोरी तक पहुंच रही है।

प्रॉब्लम्स के कारणः 2026 के हर्टफोर्डशायर इंटरजेनरेशनल स्टडी में अधिक स्क्रीन टाइम का संबंध कम शारीरिक गतिविधि से पाया गया। शोधकर्ताओं ने इसे खराब बोन हेल्थ और मोटापे के लिए संभावित जोखिम वाला व्यवहार बताया। हालांकि नियमित स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और अच्छी शारीरिक गतिविधि इस तरह की समस्या को दूर करती है।

बचाव के उपायः मोबाइल को आंखों के करीब लाकर गर्दन नीचे झुकाने के बजाय स्क्रीन को आंखों के स्तर के करीब रखें। हर 20-30 मिनट में कुछ देर स्क्रीन से नजर हटाकर गर्दन और कंधों को आराम दें। दोनों हाथों से फोन इस्तेमाल करना बेहतर है और लगातार एक ही अंगूठे से टाइप करने से बचें।

हर दिन चलना, स्ट्रेचिंग और नियमित



स्ट्रेंथ एक्सरसाइज को दिनचर्या में शामिल करें। बिस्तर पर लेटकर घंटों मोबाइल देखने की आदत भी बदलें। यदि गर्दन या कंधे का दर्द लगातार बना रहे, हाथ में सुन्नपन या झनझनाहट हो, अंगूठे-कलाई में सूजन/दर्द हो या हाथ में कमजोरी महसूस हो, तो इसे नजरअंदाज न करें। *

प्रिकॉशन
अंजू जैन

दीपावली के अवसर पर होने वाली आतिशबाजी से उत्पन्न तेज रोशनी और धमाकों की आवाज, स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए इससे बचाव करना बहुत जरूरी है। आपको इसके बारे में पता होना चाहिए।

तेज रोशनी-आवाज से बचाव करना है जरूरी

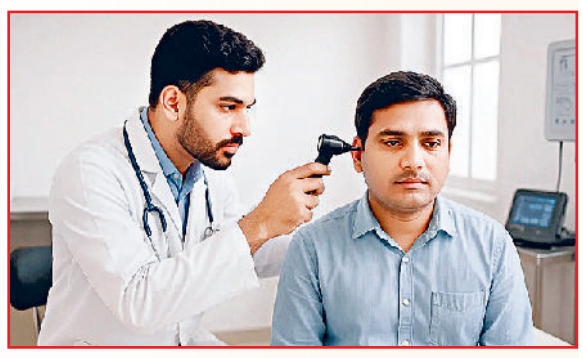

पटाखों के जलने से होने वाला तेज धमाका, जहरीला धुआं और आंखों को चौंधियाने वाली रोशनी, तन और मन की सेहत के लिए अत्यधिक नुकसानदायक हो सकते हैं। शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति और पर्यावरण पर इनके दूरगामी और विनाशकारी प्रभाव पड़ते हैं। विभिन्न वैज्ञानिक शोधों, स्वास्थ्य संगठनों के सर्वेक्षणों और पर्यावरणीय अध्ययनों ने यह साबित किया है कि तेज आवाज, धुआं और रोशनी केवल एक क्षणिक व्यवधान नहीं, बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या के सबब बन सकते हैं।

ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावः विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मानव कानों के लिए 55 डेसिबल तक की आवाज सुरक्षित मानी जाती है। त्योहारों और पटाखों के जलने के दौरान होने वाले धमाकों की आवाज अकसर 120 से 150 डेसिबल तक पहुंच जाती है, जो जेट विमान के उड़ान भरने के बराबर होती है।

बहरापनः वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, 120 डेसिबल से अधिक की तीव्र ध्वनि कान के आंतरिक हिस्से की नाजुक कोशिकाओं को हमेशा के लिए नष्ट कर सकती है। इससे व्यक्ति हमेशा के लिए बहरा हो सकता है या कानों में लगातार सीटी बजने की बीमारी हो सकती है।



हृदय स्वास्थ्यः 'यूरोपियन हार्ट जर्नल' में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक, अचानक होने वाले तेज धमाके से शरीर में 'स्ट्रेस हार्मोन' (एड्रिनिलिन और कोर्टिसॉल) का स्तर तेजी से बढ़ता है। इसके कारण रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्तचाप अचानक बढ़ जाता है। यही कारण है कि धमाकों के दौरान बुजुर्गों में दिल का दौरा पड़ने का खतरा 20-30 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

अनिद्रा-मानसिक तनावः लगातार तेज आवाजों के संपर्क में रहने से मस्तिष्क की तंत्रिकाएं प्रभावित होती हैं। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में चिड़चिड़ापन, अवसाद और अनिद्रा की शिकायतें आम होती हैं।

तेज रोशनी के नुकसानः अचानक होने वाली तीव्र रोशनी या आतिशबाजी की रंग-बिरंगी चमक, जिसे विज्ञान की भाषा में 'फोटोपिक स्टिमुलस' कहा जाता है, हमारी आंखों और मस्तिष्क के लिए बेहद नुकसानदेह है।

मिर्गी के दौरेः न्यूरोलॉजिकल अध्ययनों से साबित हुआ है कि अचानक चमकने वाली तेज रोशनी उन लोगों में मिर्गी के दौरे को ट्रिगर कर सकती है, जो 'फोटोसेंसिटिव एपिलेप्सी' से पीड़ित हैं।

रेटिना को क्षतिः जब कोई तेज रोशनी सीधे हमारी आंखों पर पड़ती है, तो आंख की पुतली अचानक सिकुड़ नहीं पाती। इससे रोशनी सीधे रेटिना पर केंद्रित होती है, जिससे रेटिना की कोशिकाएं जल सकती हैं। इसे 'फोटोकेमिकल इंजरी' कहते हैं, जिसके कारण आंखों के आगे हमेशा के लिए अंधापन या धुंधलापन आ सकता है।

जैविक घड़ी का बिगड़नाः रात के समय तेज और कृत्रिम रोशनी के कारण मानव शरीर में 'मेलाटोनिन' हार्मोन का बनना बंद हो जाता है। यह हार्मोन हमारी नींद और जागने के चक्र को नियंत्रित करता है। मेलाटोनिन की कमी से मेटाबॉलिज्म बिगड़ जाता है, जिससे मोटापा और मधुमेह का खतरा बढ़ता है।

पर्यावरण पर दुष्प्रभावः मनुष्य के अलावा, तेज रोशनी, जहरीले धुएं और धमाके के दुष्प्रभाव पर्यावरण और वन्यजीवों पर भी पड़ते हैं। पशु चिकित्सा विज्ञान के सर्वेक्षणों के अनुसार, धमाके की आवाज से वे गहरे सदमे में चले जाते हैं। हर साल त्योहारों के बाद सैकड़ों पक्षी तेज रोशनी से दिशाभ्रमित होकर इमारतों से टकराकर मर जाते हैं। इसलिए हमें इनका भी ध्यान रखना चाहिए। *

विश्वविद्यालय के विकास, भू-माफिया पर कार्रवाई और काश्तकारों को न्याय दिलाने की जंग

सीडीएलयू की 57 एकड़ जमीन बचाने को नागरिक परिषद ने जन अभियान चलाने का लिया संकल्प

जरूरत पड़ी तो हाईकोर्ट में पक्षकार बनकर लड़ेगी कानूनी लड़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा



सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते नागरिक परिषद के पदाधिकारी।

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय की लगभग 57 एकड़ बेशकीमती भूमि को बचाने के लिए नागरिक परिषद सिरसा ने तीन प्रमुख उद्देश्यों के साथ व्यापक जन अभियान चलाने का संकल्प लिया है। विश्वविद्यालय का संपूर्ण विकास, भू-माफिया का विनाश और वास्तविक काश्तकारों को न्याय दिलाना इस अभियान की प्राथमिकता होगी। नागरिक परिषद ने स्पष्ट किया है कि विश्वविद्यालय की भूमि को किसी भी कीमत पर कथित भू-माफिया अथवा बिल्डरों के व्यावसायिक हितों की भेंट नहीं चढऩे दिया जाएगा। इसके लिए सरकार और प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग करने के साथ-साथ आवश्यकता पडऩे पर नागरिक परिषद स्वयं पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में पक्षकार बनने के लिए कानूनी प्रक्रिया अपनाएगी। यह घोषणा नागरिक परिषद सिरसा के अध्यक्ष जगदीश चोपड़ा और सचिव सुरेंद्र भाटिया ने बुधवार को सिरसा क्लब में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की भूमि का संरक्षण केवल जमीन बचाने का सवाल नहीं, बल्कि सिरसा और आसपास के जिलों की आने वाली पीढ़ियों के शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित रखने का अभियान है। परिषद इस मामले में किसी राजनीतिक दल के विरोध अथवा समर्थन के बजाय विश्वविद्यालय के हित, कानून के शासन और वास्तविक गरीब काश्तकारों के न्यायसंगत अधिकारों को सर्वोपरि रखेगी। पत्रकार सम्मेलन में इनेलो जिलाध्यक्ष जसबीर सिंह जस्सा, जेजेपी जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रघुबीर सिंह खिंडा, कांग्रेस प्रवक्ता आनंद बियानी, आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान प्रेम बजाज, आम आदमी पार्टी से श्याम लाल मेहता, पूर्व रोटरी गवर्नर भूपेश मेहता, डॉ. वेद बैनीवाल, समाजसेवी एवं जल स्टार रमेश गोयल, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रमेश मेहता, इनेलो नेता प्रदीप मेहता, समाजसेवी रमेश साहुवाला, हरबंस नारंग, भूपेंद्र खट्टर तथा अधिवक्ता कपिल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय की भूमि बचाने के अभियान का समर्थन किया।वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. केवी सिंह ने वीडियो कॉल के माध्यम से पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए नागरिक परिषद के अभियान में कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने का भरोसा दिलाया। नागरिक परिषद के अध्यक्ष जगदीश चोपड़ा और सचिव सुरेंद्र भाटिया ने कहा कि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा सहित आसपास के जिलों के हजारों विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक विभागों, आधुनिक अनुसंधान केंद्रों, प्रयोगशालाओं, छात्रावासों, खेल परिसरों और अन्य सुविधाओं के विकास के लिए पर्याप्त भूमि होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को प्रारंभ में 348 एकड़ 4 कनाल भूमि आवंटित की गई थी, जिसमें से लगभग 135 एकड़ भूमि वापस ली जा चुकी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के पास करीब 213 एकड़ भूमि बताई जा रही है, जिसमें से 57 एकड़ 4 कनाल 9 मरला भूमि विवादित है। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि विश्वविद्यालय की भूमि लगातार कम होते जाना चिंताजनक है। यदि वर्तमान विवादित भूमि भी विश्वविद्यालय के नियंत्रण से बाहर चली गई तो भविष्य में इसके विस्तार की संभावनाएं प्रभावित होंगी। उन्होंने कहा कि नागरिक परिषद का पहला संकल्प विश्वविद्यालय का संपूर्ण विकास सुनिश्चित करना है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार विवादित भूमि को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए सुरक्षित रखने का हरसंभव वैधानिक प्रयास करे।

हाईकोर्ट ने पट्टाधारकों को मालिक घोषित नहीं किया

पत्रकार सम्मेलन में भूमि विवाद की कानूनी स्थिति स्पष्ट करते हुए परिषद पदाधिकारियों ने बताया कि 21 सितंबर 2022 को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुधीर मित्तल ने सीडब्ल्यूपी-9108-2015 सहित पांच याचिकाओं में किरायेदारों की बेदखली के आदेश निरस्त किए थे। न्यायालय ने पंजाब किरायेदारी अधिनियम, 1887 के तहत निर्धारित कानूनी प्रक्रिया अपनाने की आवश्यकता बताई थी। परिषद के अनुसार इस फैसले में पट्टाधारकों को भूमि का मालिक घोषित नहीं किया गया था। इसके बाद विश्वविद्यालय की ओर से वर्ष 2022 में पांच अपीलें दायर की गईं। परिषद पदाधिकारियों ने बताया कि 27 फरवरी 2026 को हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी और न्यायमूर्ति विकास सूरी की खंडपीठ ने एलपीए-1065-2022 सहित संबंधित अपीलों में हरियाणा सरकार के सक्षम प्राधिकारी को निजी प्रतिवादियों को भूमि आवंटित करने की वैधानिक संभावना पर निर्णय लेकर न्यायालय में अपना पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने विवादित भूमि किसी पट्टाधारक अथवा बिल्डर को सौंपने का अंतिम आदेश नहीं दिया है। इसलिए सरकार को कानून के अनुसार ऐसा निर्णय लेना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक हित सुरक्षित रहें और वास्तविक पात्र काश्तकारों के अधिकारों का भी सम्मान हो।

सीएम ने दिया आश्वासन, बिल्डरों के हाथों नहीं जाने देंगे भूमि

नागरिक परिषद के अध्यक्ष जगदीश चोपड़ा ने पत्रकारों को बताया कि दो दिन पहले उन्होंने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय की विवादित भूमि का मामला उनके संज्ञान में लाया था। चोपड़ा के अनुसार मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय की भूमि को बिल्डरों के हाथों नहीं जाने दिया जाएगा और सरकार इस भूमि को सुरक्षित रखने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री ने हाईकोर्ट में मामले की मजबूती से पैरवी करने का भी भरोसा दिलाया। जगदीश चोपड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन से उम्मीद जगी है, लेकिन अब इस दिशा में ठोस प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार की प्रतिबद्धता उसके निर्णयों और न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले पक्ष से स्पष्ट होगी। नागरिक परिषद ने घोषणा की कि दीपावली के बाद जिले के गणमान्य नागरिकों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और कानून विशेषज्ञों का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से दोबारा मुलाकात करेगा। प्रतिनिधिमंडल सरकार से मांग करेगा कि विश्वविद्यालय की 57 एकड़ भूमि को सुरक्षित रखने के लिए प्रभावी कानूनी रणनीति बनाई जाए और वरिष्ठ अधिवक्ताओं के माध्यम से हाईकोर्ट में मजबूती से पैरवी की जाए।

तीन संकल्प लेकर आगे बढ़ेगी परिषद

पहला संकल्पः विश्वविद्यालय की 57 एकड़ विवादित भूमि सुरक्षित रखकर नए विभागों, शोध संस्थानों और शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार का रास्ता सुनिश्चित करना। **दूसरा संकल्पः** विश्वविद्यालय की भूमि को कथित भू-माफिया और बिल्डरों के गैरकानूनी व्यावसायिक हितों से बचाना तथा संदिग्ध निजी समझौतों की निष्पक्ष जांच की मांग करना। **तीसरा संकल्पः** पात्र गरीब पट्टाधारकों के वैधानिक अधिकारों की रक्षा करते हुए उचित मुआवजे, पुनर्वास अथवा वैकल्पिक कृषि भूमि के न्यायसंगत समाधान का प्रयास करना। जगदीश चोपड़ा और सुरेंद्र भाटिया ने कहा कि इन तीन संकल्पों की पूर्ति के लिए नागरिक परिषद सरकार से प्रभावी कार्रवाई की मांग करेगी और आवश्यकता पडऩे पर हाईकोर्ट में पक्षकार बनने के लिए भी कानूनी कदम उठाएगी। विश्वविद्यालय की भूमि बचाने का अभियान अंतिम वैधानिक समाधान निकलने तक जारी रहेगा।



भट्टूकलां। जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते कृषि वैज्ञानिक।

किसानों को प्राकृतिक खेती के गुर सिखाए

■ ड्रैगन फ्रूट फार्म पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

गांव दैयड़ स्थित बरड़वाल ड्रैगन फ्रूट फार्म पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, फतेहाबाद की ओर से प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय किसान जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 50 से अधिक किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए प्राकृतिक एवं जहरमुक्त खेती अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान केवीके फतेहाबाद के कृषि विशेषज्ञ डॉ. ओम प्रकाश कंबोज एवं डॉ. सुनील ने किसानों को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, उसके महत्व और व्यावहारिक तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में खेती की लागत कम करना, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना, पर्यावरण संरक्षण तथा लोगों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाना बेहद जरूरी है। प्राकृतिक खेती इन सभी उद्देश्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले विभिन्न जैविक इनपुट तैयार करने की विधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बीजामृत, जीवामृत एवं घनजीवामृत बनाने की प्रक्रिया, उनमें उपयोग होने वाली सामग्री, तैयार करने की सावधानियों तथा फसलों में इनके उचित प्रयोग के बारे में समझाया। विशेषज्ञों ने बताया कि इन प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग से मिट्टी में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ाने और भूमि की सेहत सुधारने में मदद मिल सकती है।

प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम प्रयोग करें

साथ ही किसानों को बीज उपचार, भूमि प्रबंधन और फसल उत्पादन में प्राकृतिक संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग से एडीओ श्री सुरेश पारीक भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अंत में प्रगतिशील किसान एवं बरड़वाल ड्रैगन फ्रूट फार्म के संचालक सुनीता बरड़वाल ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी किसानों, कृषि विशेषज्ञों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

अस्पताल को चौ. भजनलाल के नाम पर मेडिकल कॉलेज का दर्जा देने की मांग

फतेहाबाद। बिश्नोई मंदिर, फतेहाबाद में पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम के दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने फतेहाबाद में निर्माणाधीन 200 बेड के अस्पताल को मेडिकल कॉलेज का दर्जा देने तथा इसे चौधरी भजनलाल के नाम पर स्थापित करने की मांग उठाई। जोड़ा ने कहा कि फतेहाबाद में 200 बेड के अस्पताल की बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसे में इस अस्पताल को मेडिकल कॉलेज का दर्जा देकर चौधरी भजनलाल के नाम पर स्थापित किया जाना चाहिए।

10 को उतारी जाएगी भगवान हनुमान की ध्वजा

फतेहाबाद। श्रीराम सेवा समिति चिल्ली वाली की ऐतिहासिक 99वीं रामलीला के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में मंगलवार, 10 नवंबर को रात्रि 7.30 बजे भगवान हनुमान जी की पवित्र ध्वजा पूरे विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ उतारी जाएगी। रामलीला के निर्देशक शंकर बंसल, गौरव बंसल ने बताया कि यह धार्मिक कार्यक्रम समिति के प्रधान धर्मपाल बुडलाडिया की अध्यक्षता में आयोजित होगा। इस अवसर पर भगवान हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर सभी के सुख, समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की जाएगी।

दिवाली मेले में लक्की ड्रॉ से विजेताओं को मिले इनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा



श्रीमत टेक्सवर्थ की ओर से डबवाली रोड पर विकसित की जा रही बहुमंजिला कमर्शियल-कम-रेजिडेंसियल मार्केट में दीपावली के उपलक्ष्य में बीती 28 अक्टूबर से दिवाली मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें पांच दर्जन से अधिक कारोबारियों की ओर से अपने उत्पादों की प्रदर्शनी व बिक्री की जा रही है। श्रीमत सिटी सेंटर की ओर से मंगलवार को मेले में आने वालों को लक्की ड्रॉ के माध्यम से पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया। जिसके प्रथम पुरस्कार के रूप में माइक्रोओवन-कम-एयर प्यूरिफायर, द्वितीय पुरस्कार के रूप में गारमेंट स्टिमर व तृतीय पुरस्कार के रूप में जूसर-मिक्सर ग्राइंडर घोषित किया गया। मंगलवार को प्रथम पुरस्कार की विजेता सरोज, द्वितीय पुरस्कार नीलम व तृतीय पुरस्कार प्रियंका के नाम रहा।

हरियाणा वुशू टीम ने जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में जीती पहली ट्रॉफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद



फतेहाबाद। जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में विजेता हरियाणा की वुशू टीम।

हरियाणा की वुशू टीम ने 25वीं जूनियर नेशनल बालक एवं बालिका वुशू चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सांडा स्पर्धा की पहली ट्रॉफी जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 28 अक्टूबर से 2 नवंबर तक जेपीआर यूनिवर्सिटी, चेन्नई में किया गया। हरियाणा के खिलाडिय़ों ने सांडा स्पर्धा में 7 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 14 पदक हासिल किए। बालक वर्ग में युवराज भिवानी ने 48 किलोग्राम, गगन रोहतक ने 65 किलोग्राम और हर्ष सिंह रोहतक ने 90 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। आर्यन फतेहाबाद ने 56 किलोग्राम, दीपक सोनीपत ने 75 किलोग्राम और वैभव सोनीपत ने 80 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक हासिल किए। वहीं, श्लोक पानीपत ने 45 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।

बाल दिवस प्रतियोगिताओं में लेखराज मैमोरियल स्कूल का शानदार प्रदर्शन

फतेहाबाद। जिला स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताओं में लेखराज मैमोरियल स्कूल के बच्चों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं कला-कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित इन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने भिन्न-भिन्न विधाओं में उच्च स्थान प्राप्त करते हुए गौरवान्वित किया। फैंसी ड्रेस में विरायु सुखीजा ने जिले में प्रथम, एकल गायन में सेंजल शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त करके राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। क्ले मॉडलिंग में अदिति सुथार ने द्वितीय, यशनूर कौर ने बेस्ट ड्रामेबाज में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए राज्य स्तर के लिए भी अपना टिकट पक्का किया। हिंदी सुलेख में समर्थ ने तृतीय, नायशा सुखीजा ने क्ले मॉडलिंग, कार्ड मेकिंग में आदित्य बिश्नोई, स्केचिंग में प्रेक्षा मोंगा एवं राकेश और राष्ट्रभक्ति समूह गान में सातवीं व आठवीं की छात्राओं ने विशेष सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन ने विजेताओं को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यालय में बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ उनके समग्र विकास और छिपी प्रतिभाओं को तराशने पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

ओढ़ा स्कूल में लगा कौशल बोध मेला

अपने घर में किचन गार्डन बनाने की दी जानकारी

■ विद्यार्थियों को दैनिक जीवन की गतिविधियों के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां



सिरसा। स्कूल में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए शिक्षक।

पीएम श्री स्कूल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ओढ़ा में राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के कौशल बोध मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 8 प्रकार की प्रक्रियाओं में बच्चों ने हिस्सा लिया, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन की गतिविधियों के बारे में जानकारी देना था। इस कार्यक्रम में छात्रों द्वारा पानी की गुणवत्ता की और भूमि की गुणवत्ता की जांच की गई। इसके साथ साथ कठपुतली बनाना और पतंग बनाना भी सिखाया गया। विद्यार्थियों को अपने घर में किचन गार्डन किस प्रकार बनाया जाए इसके बारे में जानकारी दी गई।

रॉयल हवेली में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन

सिरसा। रॉयल हवेली में दीपावली के पावन अवसर पर एक भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल, उनके पुत्र मनीष सिंगला और पौत्र लक्ष्य सिंगला ने मुख्य मेजबान के रूप में शिरकत की और समारोह में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के दौरान प्रो. गणेशी लाल ने उपस्थित पत्रकारों के साथ खुलकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने देश के वर्तमान परिदृश्य, सामाजिक सौहार्द और दीपावली के पावन पर्व के आध्यात्मिक व सामाजिक महत्व पर चर्चा की।

अपेक्स स्कूल के विद्यार्थी लविश ने राज्य स्तरीय शूटिंग स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद



फतेहाबाद। विजेता छात्र को बधाई देते स्कूल प्रबंधक।

सतीश कालोनी स्थित अपेक्स पब्लिक स्कूल, फतेहाबाद के विद्यार्थी लविश ने राज्य स्तरीय स्कूल गेम्स शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। अंडर-14 वर्ग की 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग स्पर्धा में लविश ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता फरीदाबाद के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की गई, जिसमें लविश ने अपनी प्रतिभा, एकाग्रता और उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय देते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उसकी इस सफलता से विद्यालय में खुशी का माहौल है। स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य सतीश चराइपौत्रा, अंशुल चराइपौत्रा एवं स्पर्श चराइपौत्रा ने कहा कि अपेक्स पब्लिक स्कूल बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियों तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोडऩे के लिए निरंतर प्रयासरत है।

ट्रक से डोडा पोस्त बरामद चालक व परिचालक काबू

फतेहाबाद। क्राइम ब्रांच टोहाना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से एक किलो 200 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने मौके से ट्रक चालक और परिचालक दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बंटू सिंह पुत्र लीला सिंह निवासी गांव बुसेरा और राजेंद्र सिंह पुत्र प्रेम सिंह निवासी गांव घमूर घाट, जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच टोहाना के प्रभारी उप-निरीक्षक अजय ने बताया कि एएसआई जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम भूना रोड बाईपास क्षेत्र में गश्त परथी। इसी दौरान सूचना मिली कि एक ट्रक में सवार दो व्यक्ति अवैध रूप से डोडा पोस्त बेचने की फिराक में खड़े हैं।

तनाव को मित्र बनाकर जीवन में सफलता पाएं : रविंद्र पुरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा



मनोवैज्ञानिक डॉ. रविंद्र पुरी ने कहा कि तनाव से हर वर्ष लोग मानसिक और शारीरिक बीमारियों के शिकार होते हैं क्योंकि वह जानते नहीं है कि तनाव को आप अपना दोस्त बनकर जीवन में सफलताएं भी अर्जित कर सकते हैं। गौरतलब है कि हर साल नवंबर के पहले बुधवार को राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया जाता है। आमतौर पर हम तनाव को केवल दुश्मन मानते हैं, लेकिन मनोविज्ञान कहता है कि सही ढंग से समझा जाए तो तनाव हमारा अच्छा साथी भी बन सकता है।डॉ. पुरी ने बताया कि जब जीवन का कोई बदलाव या चुनौती हमारे सामने आती है तो हमारा दिमाग इसे एक खतरे की तरह मानता और लाखों साल से हमारे शरीर में खतरे से निपटने का मेकैनिज्म शुरू हो जाता है जिससे हमारे दिल की धडक़न बढ़ जाती है मांसपेशियां टाइट हो जाती हैं सांस की गति तेज हो जाती है और पाचन क्रिया धीमी पड़ जाती है तब मन और शरीर में जो प्रतिक्रिया होती है, उसे तनाव कहते हैं। उस समय शरीर एड्रेनालिन और कॉर्टिसोल जैसे हार्मोन छोड़ता है।

फतेहाबाद डिपो की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

रोडवेज यूनियन के डिपो प्रधान बने राजकुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद



फतेहाबाद। शपथ लेते रोडवेज यूनियन के पदाधिकारी।

रोडवेज वर्कर्स यूनियन के 18वें चुनाव के तहत फतेहाबाद डिपो की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य वक्ताओं ने सरकार की निजीकरण नीतियों पर कड़ा रोष जताया और कहा कि सरकार मानी हुई मांगों को लागू करने की बजाय विभाग का निजीकरण कर जले पर नमक छिडक़ने का काम कर रही है। यूनियन के राज्य वरिष्ठ उप प्रधान शिवकुमार श्योराण ने नवनिर्वाचित डिपो कमेटी को शपथ दिलाई। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 13 और 14 नवंबर को आयोजित होने वाले राज्य के त्रिवार्षिक प्रतिनिधि सम्मेलन में कर्मचारियों की मांगों और ज्वलंत मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही विभाग के निजीकरण के खिलाफ जोरदार लड़ाई की रणनीति पर अंतिम रूप से विचार-विमर्श किया जाएगा। समारोह को राज्य सचिव सूबे सिंह धनाना, पूर्व महासचिव सरबत सिंह पूनिया, पूर्व प्रधान जोगिंद्र सिंह भ्याना, जिला सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के सचिव बेगराज, सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव रामनिवास शर्मा और ब्लॉक प्रधान राजपाल मिताथल ने भी संबोधित किया।

इन्हें भी मिली जिम्मेदारियां

समारोह के दौरान डिपो कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें राजकुमार बीघड़ को डिपो प्रधान, सुरेश फौजी को वरिष्ठ उप प्रधान, राजेश पेटवाड़ को उप प्रधान और वीरेन्द्र कुलेरी को सचिव चुना गया। इसके अलावा जोगिंद्र रेड़ू को कैशियर, कृष्ण फौजी को सह सचिव, सुनील लांधडी को ऑडिटर, जोगिंद्र सोनी को प्रेस सचिव, इंद्रपाल सहारण व सूबे सिंह धनाना को संगठन सचिव, जितेन्द्र सिंह यादव को सह कैशियर और अरुण कुमार को कार्यालय सचिव नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी में पवन गोदारा, मांगे राम, अनूप गोदारा और राकेश सुथार को भी शामिल किया गया।

खबर संक्षेप

जेल लोक अदालत में चार बंदी रिहा

सिरसा। जिला जेल में लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि जेल लोक अदालत में कुल आठ मामले रखे गए, जिनमें से चार मामले का निपटारा करते हुए चार बंदियों को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि जेल लोक अदालत का आयोजन प्रत्येक माह में दो बार किया जाता है, जो माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को आयोजित होती है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस 9 नवंबर को

सिरसा। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर 9 नवंबर को जिला सिरसा की लीगल एड क्लीनिकों में कानूनी जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले की लीगल एड क्लीनिकों में कार्य दिवसों के दौरान अपराह्न 3 बजे से शाम 6 बजे तक जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

खाटू श्याम धाम में अन्नकूट महोत्सव 9 को

सिरसा। रानियां रोड स्थित श्री खाटू श्याम धाम में श्री श्याम परिवार ट्रस्ट की ओर से 9 नवंबर को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। महोत्सव को लेकर श्याम भक्तों में विशेष उत्साह है। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 12 बजे से होगा। महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में गोवर्धन पर्वत का निर्माण किया जाएगा तथा विधि-विधान के साथ गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना की जाएगी। इस अवसर पर भगवान को कढ़ी-खिचड़ी का विशेष भोग लगाया जाएगा। इसके साथ ही अन्नकूट प्रसाद की व्यवस्था भी की जाएगी।

साहूवाला में हृदय रोगों का कैंप आयोजित

सिरसा। जिला के गांव साहूवाला में हृदय रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को जीवन बचाने का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया। कैंप में गांव की सरपंच कविता ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। यह प्रशिक्षण शिविर हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आदित्य गोयल की कुशल टीम द्वारा आयोजित किया गया। शिविर के सफल आयोजन में सुनील कुमार और संजीव कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समायरा बंसल ने चौथी बार किया सिरसा में टॉप

सिरसा। विकास हाई स्कूल की छात्रा समायरा बंसल ने हिंदी लेखन प्रतियोगिता में लगातार चौथी बार सिरसा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिताओं के द्वितीय ग्रुप में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्रा वर्षा रानी ने हिंदी लेखन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया, जबकि मीनल ने थाली एवं दीया सज्जा प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया।

किसान नेता नथवान बोले : मांगें न मानी तो करेंगे चंडीगढ़ कूच

फतेहाबाद में किसानों के पड़ाव का दूसरा दिन, सिरसा विधायक समर्थन में

सिंचाई के पानी की किल्लत व मुआवजे की मांग कर रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद



फतेहाबाद। डीसी कार्यालय के बाहर पड़ाव डालकर बैठे किसान। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद के लघु सचिवालय के बाहर नहरी पानी की किल्लत और ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों के मुआवजे की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसानों के पड़ाव के दूसरे दिन जमकर नारेबाजी की। सिरसा से कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों के संघर्ष को अपना समर्थन दिया। वहीं, किसान नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि सरकार ने समय रहते मांगें पूरी नहीं कीं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ये बोले सेतिया

धरने पर पहुंचे सिरसा विधायक गोकुल सेतिया ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वे हरदम किसानों के साथ खड़े हैं और उनकी इस लड़ाई को सडक़ से लेकर विधानसभा तक मजबूती से उठाएंगे।

उन्होंने भाजपा सरकार को तानाशाह और किसान विरोधी करार देते हुए कहा कि कई सालों से यह इलाका सरकार की गलत नीतियों का शिकार हो रहा है। गोकुल सेतिया ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब भी किसान अपने हक का पानी या मुआवजा मांगते हैं, तो सरकार पंजाब से पानी कम आने का बहाना बनाती है। केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार है, फिर भी किसानों को पानी नहीं मिल रहा। यदि कोई राज्य हरियाणा का हक छीन रहा है, तो फिर आपकी डबल और ट्रिपल इंजन की सरकारें पूरी तरह फेल साबित हो चुकी हैं। सेतिया ने तंज कसते हुए कहा कि जब हरियाणा के भाजपा नेता पंजाब में जाकर वोट मांग सकते हैं, तो वे हरियाणा के किसानों के लिए पानी क्यों नहीं मांग सकते। नहरबंदी से किसानों की गेहूं बिजाई तो ठप होगी ही, साथ ही आम शहरवासियों के सामने भी गंभीर पेयजल संकट पैदा हो जाएगा।

ओलावृष्टि से धान की फसल पूरी तरह तबाह

पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनदीप नथवान ने धरना स्थल से सरकार को कड़े शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई भयंकर ओलावृष्टि से धान की फसलें पूरी तरह तबाह हो चुकी हैं और खेतों में केवल पराली बची है। उस पर से नहरी विभाग ने नहरों में महीने में मात्र 7 दिन पानी देने का शेड्यूल लागू कर किसानों की कमर तोड़ दी है। मनदीप नथवान ने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार केवल 5 एकड़ तक 15 हजार रुपये मुआवजा देकर किसानों के साथ भद्दा मजाक न करे। प्रभावित फसलों के लिए प्रति एकड़ एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए और नहरों में लगातार दो सप्ताह पानी छोड़ा जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर सरकार और प्रशासन ने किसानों की इन जायज मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया, तो यह पड़ाव यहीं तक सीमित नहीं रहेगा। आंदोलन के अगले चरण में किसान एकजुट होकर चंडीगढ़ कूच का बड़ा ऐलान करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। धरने के दूसरे दिन भी फतेहाबाद, सिरसा और हिसार से भारी संख्या में किसान, युवा और मजदूर लघु सचिवालय के बाहर डटे रहे। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों का ठोस और लिखित समाधान नहीं होता, मिनी सचिवालय के बाहर यह अनिश्चितकालीन पड़ाव लगातार जारी रहेगा।



सिरसा। निकाय मंत्री से मुलाकात करते हुए व्यापार मंडल के प्रतिनिधि।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल की टीम मांगों को लेकर निकाय मंत्री से मिली

सिरसा। शहर में स्टॉर्म वाटर प्रोजेक्ट के तहत चल रहे कार्यों को लेकर व्यापारियों और आमजन को हो रही परेशानियों के समाधान के लिए हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल की टीम ने जिला प्रधान हीरालाल शर्मा की अध्यक्षता में निकाय मंत्री विपुल गोयल से मुलाकात की। उनके साथ शहरी प्रधान कीर्ति गर्ग, प्रेम गुप्ता, हेमंत गुप्ता व सतीश शर्मा भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बताया कि शहर के मुख्य बाजार रोड़ी बाजार, पुरानी सब्जी मंडी, सिटी थाना रोड, सदर बाजार, हिसारिया बाजार, जनता भवन रोड, गीता भवन रोड, एल.आई.सी. ऑफिस रोड एवं दोनों तरफ की गलियों में नगरपरिषद द्वारा स्टोर्म वाटर पाइप लाइन बिछाई गई है। प्रोजेक्ट के दौरान शहर की सडक़ों को खोदने, रास्ते बाधित होने और टूटी सडक़ों के कारण व्यापारियों व नागरिकों को हो रही दिक्कतों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

दयानंद स्कूल की टीम सीबीएसई नेशनल वालीबॉल की चैंपियन

- अंडर-14 टीम ने देश में जिले का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चोपटा



चोपटा। सीबीएसई नेशनल वॉलीबॉल में अंडर-14 विजेता राष्ट्रीय चैंपियन टीम ट्रॉफी के साथ।

नाथूसरी चौपटा स्थित दयानंद स्कूल के खिलाडिय़ों ने राष्ट्रीय खेल जगत में इतिहास रचते हुए विद्यालय और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के सनवारा स्थित कसौली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में 30 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित सीबीएसई नेशनल वालीबॉल चैंपियनशिप में विद्यालय की अंडर-14 बॉयज वॉलीबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान से क्वालीफाई होकर पहुंची कुल 24 टीमों के बीच आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दयानंद स्कूल की टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। टीम ने पूल मुकाबलों से लेकर फाइनल तक एक भी मैच नहीं गंवाया और अपने सभी मुकाबले जीतकर राष्ट्रीय स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत छात्रों को नशे के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जमालपुर शेखां में चला अभियान

युवाओं को नशे की घातक गिरफ्त से बचाने और नशे के दलदल में फंस चुके व्यक्तियों को सही उपचार व काउंसलिंग के माध्यम से सामान्य जीवन की मुख्यधारा में वापस लौटने के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस द्वारा ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में नशा मुक्ति टीम ने टोहाना क्षेत्र के गांव जमालपुर शेखां और सरकारी अस्पताल में व्यापक गतिविधियां संचालित कीं। अभियान के तहत नशा मुक्ति टीम ने गांव जमालपुर शेखां के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक विशेष जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। इस दौरान टीम ने स्कूल के विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाया। विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि नशा दीमक की तरह जीवन को खोखला कर देता है। टीम ने युवाओं को नशे से पूरी तरह दूर रहने, अपनी सोच सकारात्मक रखने तथा पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व अन्य रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढक़र भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने नशे के खिलाफ संकल्प लिया।

अब फतेहाबाद में ही मिलेंगी पीजीआई के डॉक्टर की सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद



डॉ. संदीप भादू

छाती और सांस संबंधी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। अब उन्हें फेफड़ों और श्वसन रोगों के विशेषज्ञ उपचार के लिए चंडीगढ़ या हिसार के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पीजीआई चंडीगढ़ से प्रशिक्षित छाती, सांस एवं क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. संदीप भादू अब फतेहाबाद में भी अपनी सेवाएं देंगे। डॉ. संदीप भादू हर मंगलवार को सिवाच हॉस्पिटल, फतेहाबाद में मरीजों की जांच एवं उपचार के लिए उपलब्ध रहेंगे। वे सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक मरीजों को परामर्श देंगे। डॉ. भादू वर्तमान में हिसार के मॉडल टाउन स्थित रविंद्रा हॉस्पिटल में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विशेषज्ञ चिकित्सक की उपलब्धता से फेफड़ों और सांस संबंधी बीमारियों से परेशान मरीजों को अपने ही शहर में बेहतर चिकित्सा परामर्श लेने की सुविधा मिलेगी। डॉ. भादू द्वारा फेफड़ों के कैंसर, टीबी, निमोनिया, अस्थमा, एलर्जी और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों का विशेषज्ञ उपचार किया जाएगा। इसके साथ ही आधुनिक जांच सुविधाओं के माध्यम से बीमारी की पहचान की जाएगी।

हर घर-हर गृहिणी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन

सिरसा। हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की गई 'हर घर-हर गृहिणी' योजना 2024 का उद्देश्य पात्र परिवारों को रियायती दरों पर रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाना है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक हरवीर सिंह ने बताया कि योजना के तहत हरियाणा के सभी बीपीएल एवं अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) राशन कार्ड धारक परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जाएगा। 500 रुपए से अधिक की सिलेंडर राशि को सब्सिडी के रूप में पात्र लाभार्थियों के परिवार की महिला मुखिया के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए पात्र परिवारों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करते समय लाभार्थियों को अपना एलपीजी आईडी नंबर, बैंक खाता नंबर, आईएफएससी कोड सहित अन्य आवश्यक जानकारी सावधानीपूर्वक भरनी होगी, ताकि आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न आए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

न्यूज डायरी



सिरसा। एनसीसी कैडेट्स के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित करते हुए।

सीडीएलयू की एनसीसी कैडेट्स ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, प्रदेश का गौरव बढ़ाया

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा की एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रीय स्तर के दो प्रतिष्ठित प्रशिक्षण शिविरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सहभागिता से विश्वविद्यालय और तीन हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी, हिसार का गौरव बढ़ाया है। विश्वविद्यालय की एसजीटी रेणू बाला ने अंबाला कैंट में 21 अक्टूबर से 01 नवंबर तक आयोजित एनसीसी आर्मी अटैचमेंट कैंप में भाग लेकर सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया, जबकि अंडर ऑफिसर पल्लवी ने 19 से 30 अक्टूबर तक एनसीसी अकादमी, मलोट पंजाब में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के एडवांस लीडरशिप कैंप में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस शिविर में पल्लवी की कंपनी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय की एनसीसी केयरटेकर ऑफिसर डॉ. नीलम रानी ने बताया कि दोनों शिविरों में कैडेट्स ने सैन्य अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंबाला कैंट में आयोजित आर्मी अटैचमेंट कैंप में कैडेट्स को पीटी, ड्रिल, राइफल प्रशिक्षण तथा भारतीय सेना की विभिन्न इकाइयों, आर्मी शूटिंग अकादमी एवं खडगा ड्रोन हब का भ्रमण करवाकर आधुनिक सैन्य कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया।



फतेहाबाद। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार युवक।

नाबालिग से दुष्कर्म का मामला, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जींद का युवक काबू

फतेहाबाद। नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अभिमन्यु पुत्र राजकुमार निवासी उचाना, जिला जींद के रूप में हुई है। मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए थाना सदर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक साधुराम ने बताया कि कुछ दिन पहले पुलिस को एक नाबालिग के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने की शिकायत प्राप्त हुई थी। परिजनों ने अपनी स्तर पर तलाश शुरू की और जब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तो पता चला कि कुछ युवक एक गाड़ी में जबरन नाबालिग को बैठाकर ले गए हैं। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर गाड़ी का पता लगाकर नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर लिया, हालांकि गाड़ी में सवार आरोपी मौके से फरार हो गए थे। निरीक्षक साधुराम ने बताया कि पीड़ित पक्ष की शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने नाबालिग को जबरन गाड़ी में अगवा किया और उसके साथ दुष्कर्म जैसी गंभीर वारदात को अंजाम दिया। शिकायत के आधार पर थाना सदर टोहाना में 2 नवम्बर को भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के अलावा पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित तफ्तीश की और नामजद आरोपी अभिमन्यु को धर दबोचा। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि इस मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका और संलिप्तता को लेकर गहनता से जांच की जा रही है, तथा साक्ष्यों के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हेरोइन बेचता युवक काबू, 6.40 ग्राम नशीला पदार्थ और स्कूटी बरामद

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को 6.40 ग्राम हेरोइन और एक स्कूटी सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सुशील उर्फ डड्डू पुत्र सुभाष निवासी गीता कॉलोनी, टोहाना के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि एएसआई जोगिंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम भूना मोड़ नए बाईपास क्षेत्र में गश्त और कानून व्यवस्था की निगरानी पर तैनात थी। इसी दौरान टीम को पुख्ता गुप्त सूचना मिली कि नए बाईपास पर रजबाहा के पास एक युवक स्कूटी लेकर खड़ा है और वह अवैध रूप से हेरोइन बेचने की फिराक में है। सूचना को पूरी तरह गंभीर मानते हुए पुलिस टीम ने तुरंत बताए गए स्थान पर दबिश दी और संदिग्ध युवक को मौके पर ही दबोच लिया। नियमानुसार जब आरोपी की तलाशी ली गई, तो उसकी पैंट की जेब से 6.40 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ-साथ वारदात में प्रयुक्त स्कूटी को भी अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी के खिलाफ थाना शहर टोहाना में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

डुल्ट से मोटरसाइकिल चोरी करने का तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

फतेहाबाद। मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना भूना पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सदासुख उर्फ सन्नी पुत्र रमेश कुमार निवासी गांव डुल्ट के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उप-निरीक्षक कंवरपाल ने बताया कि कंबोज कॉलोनी, भूना निवासी रोहित कुमार ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 7 अक्टूबर की रात वह अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से गांव डुल्ट गया था। उसने अपनी मोटरसाइकिल रामदेव मंदिर वाली गली में खड़ी की थी और कुछ समय के लिए परिचित के घर चला गया था। जब वह वापस लौटकर आया, तो उसकी मोटरसाइकिल वहां से गायब मिली। शिकायतकर्ता की सूचना के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी सन्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

कुल आवक का करीब 83 प्रतिशत धान खरीदा, 3.53 लाख टन का उठान

मंडियों में धान की आवक ने पकड़ी रफ्तार 6.09 लाख टन पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद



फतेहाबाद। अनाज मण्डी में लगी धान की ढेरियां।

जिले की मंडियों में धान की आवक लगातार बढ़ रही है। अब तक मंडियों में 6 लाख 9 हजार 438 मीट्रिक टन धान पहुंच चुका है। सरकारी एजेंसियों ने इसमें से 5 लाख 7 हजार 829 मीट्रिक टन की खरीद की है। यानी कुल आवक का करीब 83 प्रतिशत धान खरीदा जा चुका है। वहीं खरीद के बाद मंडियों से धान उठाने की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी बनी हुई है। अब तक एजेंसियां 3 लाख 53 हजार 222 मीट्रिक टन धान ही उठा पाई हैं। ऐसे में एक लाख 54 हजार 607 मीट्रिक टन धान अभी उठान के इंतजार में है। जिला प्रशासन की तीन नवंबर की खरीद रिपोर्ट के अनुसार, कुल आवक और सरकारी खरीद के बीच 1,01,609 मीट्रिक टन का अंतर है। वहीं खरीदे गए धान का करीब 70 प्रतिशत उठान हो पाया है। मंडियों में धान की आवक और खरीद के आंकड़े बढऩे के साथ अब एजेंसियों के सामने उठान तेज करने की चुनौती है।

हैफेड का उठान 74 प्रतिशत

उठान के मामले में हैफेड सबसे आगे है। हैफेड ने 1,82,456 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। इसमें से 1,34,818 मीट्रिक टन का उठान कर लिया गया है। एजेंसी का उठान प्रतिशत 74 है और 47,638 मीट्रिक टन धान उठाया जाना बाकी है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने सबसे अधिक 2,02,253 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। इसमें से 1,36,022 मीट्रिक टन का उठान हुआ है। विभाग के पास अभी 66,231 मीट्रिक टन धान लंबित है, जो तीनों एजेंसियों में सबसे ज्यादा है। इसका उठान प्रतिशत 67 दर्ज किया गया है। हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन ने 1,23,120 मीट्रिक टन धान खरीदा है। इसमें से 82,382 मीट्रिक टन का उठान हुआ है और 40,738 मीट्रिक टन उठान के लिए शेष है। एजेंसी का उठान प्रतिशत भी 67 है।

किसानों को 806.87 करोड़ रुपये का भुगतान

खरीद सीजन में अब तक 53,536 किसानों की फसल खरीदी गई है। किसानों को कुल 806.87 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल खरीद के मुकाबले भुगतान 65 प्रतिशत और कुल उठान के मुकाबले भुगतान 93 प्रतिशत है। पिछले खरीफ सीजन 2025-26 में जिले में कुल 11,02,617 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी। इस बार तीन नवंबर तक खरीद का आंकड़ा 5,07,829 मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है।

261579 मीट्रिक टन धान की हुई खरीद

सिरसा। जिले की विभिन्न अनाज मंडियों में खरीद एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गत दिवस तक कुल 2,61,579 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 80,679 मीट्रिक टन, हैफेड ने 1,28,775 मीट्रिक टन तथा हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन ने 52,125 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। वहीं, मंडियों से अब तक कुल 1,75,250 मीट्रिक टन धान का उठान किया जा चुका है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक हरवीर सिंह ने बताया कि धान खरीद प्रक्रिया के तहत अब तक कुल 33,797 किसान लाभान्वित हुए हैं।